



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, शनिवार, जून, 4, 1983/ज्यैष्ठ 14, 1905

No. 23]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 4, 1983/JYAISTHA 14, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1983

कां.निं.आं. 163.—केन्द्रीय सरकार नौसेना अधिनियम 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नौ सेना (अनुशासन और प्रकीर्ण उपबंध) विनियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है:—

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम "नौसेना (अनुशासन और प्रकीर्ण उपबन्ध) विनियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

नौसेना (अनुशासन, प्रकीर्ण उपबंध) विनियम, 1965 में किए गए पूर्व संशोधन

क्रमसं०	संशोधित विनियम	संशोधन का प्राधिकार अर्थात् कां.निं. आं. संख्या
---------	----------------	---

1	2	3
1.	209(9)	15 ई तारीख 15-5-67 (मो० ओ० 183/67)
2.	221 [उप-विनियम (1) का प्रतिस्थापन]	3 ई तारीख 27-3-68 (नो० आ० 546/68)
3.	7, 12, 21, 38, 41, 43, 65, 68, 70, 76	8 ई तारीख 8-7-68

1	2	3
4.	नया विनियम 7ए जोड़ा गया।	126 तारीख 5-1-70
5.	198 उप-विनियम (1) को प्रतिस्थापित किया जाएगा।	65 तारीख 5-1-70
6.	198 उप-विनियम (ii) को अन्तः स्थापित किया जाएगा।	314 तारीख 14-8-71
7.	7, 13, 30, 36, 37, 38, 39, 50, 51, 53, 56, 59, 78, 84, 222, 225, 234 परिशिष्ट।	बर्ष 1973
8.	73, 86, को प्रतिस्थापित किया जाएगा प्ररूप 4 में परिशिष्ट I का संशोधन किया जाएगा।	37 तारीख 20-12-73
9.	सम्पूर्ण विनियम में, "ड्राफ्ट" (बदली) और "एडवांसमेंट" (उन्नति) शब्दों के स्थान पर जहाँ कहीं भी वे आते हैं 'स्था-नास्तरण और "प्रोन्नति" शब्द रखे जायेंगे।	360 तारीख 10 नवम्बर, 1973

1	2	3
10.	7, 13, 16, 29, 30, 36, 37, 38 39, 50, 51, 53, 56, 59, 63, 74, 84, 103, 119, 222, 223, 234 और परिशिष्ट 1 का संशोधन किया गया ।	199/74 तारीख 10-9-74
11.	189	2 तारीख 23-12-78
12	2, 5, 7क, 13, 14, 15, 16, 19, 20, 34, 37, 38, 40, 41, 51 से 54 तक लोप किया जाएगा,) 55, 56, 58, 59, 63, 64, अध्याय III का शीर्षक 74, 79, 80, 81 (लोप किया जाएगा) 82, 83, 84, 93, 94, 114क (अन्तः स्थापित किए जायेंगे,) 115, 121, 136, 138, 139, 146, 155, 158, 177, 185क अन्तः स्थापित किए जायेंगे, 187 193क से पहले केन्द्रीय शीर्षक अन्तः स्थापित किए जायेंगे, 209, 215, 216, 219, 222, 226, 230, 231, 232, 239, परिशिष्ट II और परिशिष्ट IV अन्तः स्थापित किए जायेंगे।	का० नि० आ० 247 तारीख 1 सितम्बर, 1981

(2) नौसेना (अनुशासन और प्रकीर्ण उपबन्ध) विनियम, 1965 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल विनियम कहा गया है) :—

(i) विनियम 7क के उपविनियम (1) में अंक "3" के पश्चात् 3क और 3ख, अक, अखर और शब्द अन्तः स्थापित किए जायेंगे,

(2) विनियम 13 के उप-विनियम (1) में "सं० 3—नौसेना सेवा से पदच्युति" शब्दों और अंकों के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अन्तः स्थापित की जायेंगी अर्थात्—

"सं० 3क—मास्टर चीफ पीटी आफिसरों की दशा में, रैंक में, ज्येष्ठता का समपहरण 12 मास से अधिक का नहीं होगा।"
"संख्या 3ख—मास्टर चीफ पीटी आफिसरों की दशा में, प्रोन्नति के लिए समय का समपहरण 12 मास से अधिक नहीं होगा।"

(3) विनियम 15 के उपविनियम 2 में "निरोध" शब्द के पश्चात् "सं० 3(क) रैंक में ज्येष्ठता का समपहरण और सं० 3ख—प्रोन्नति के लिए समय का समपहरण" शब्द और अंक जोड़े जायेंगे;

(4) विनियम 30 के उपरान्त, निम्नलिखित विनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"37क ज्येष्ठता का समपहरण (सं० 3क) प्रोन्नति के लिए समय का समपहरण (सं० 3ख) :—(1) किसी भी मास्टर चीफ पीटी आफिसरों को संक्षिप्त प्रक्रिया के पश्चात् प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता के समपहरण या समय के समपहरण का वण्ड दिया जा सकता है, किन्तु उसकी अवधि 12 मास से अधिक की नहीं होगी।

(2) उप विनियम (1) के अंतर्गत दिए गए वण्डों के लिए प्रशासनिक प्राधिकारी का अनुमोदन अपेक्षित होगा।

(3) जब भी किसी मास्टर चीफ पीटी आफिसर को संक्षिप्त प्रक्रिया के पश्चात् प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता के समपहरण से या समय के समपहरण से वण्डित किया जाता है, तो उसकी उसके आवरण अभिलेख पत्र में, उसके सेवा प्रमाणपत्र के पृष्ठ 4 पर तथा ऐसे अन्य स्थानों पर, जो आवश्यक समझे जाएँ, तत्समर्थी इदराज किए जायेंगे।

(4) ज्येष्ठता के समपहरण के वण्ड का प्रभाव धारा 82 की उपधारा (11) और (13) में अधिकृत रूप में होगा।

(5) प्रोन्नति के लिए समय के समपहरण का वण्ड विनिर्दिष्ट समय तक प्रोन्नति में विलम्ब करेगा।"

(6) अध्याय 4, के पश्चात् निम्नलिखित नया अध्याय अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"अध्याय IV—क

कमाण्डर की रैंक से नीचे आफिसरों को संक्षिप्त प्रक्रिया वण्ड

147क धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया वण्ड का अधिनिर्णय धारा 94 के अधीन, केन्द्रीय सरकार या नौसेनाध्यक्ष या नौसैनिक कमान का फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ या पोत का कमान आफिसर या नौसेना अकादमी का प्रभारी आफिसर, कमाण्डर की रैंक से नीचे के किसी भी आफिसर पर संक्षिप्त प्रक्रिया वण्ड प्रदान कर सकता है।

147 ख पोतों के कमान आफिसर या नौसेना अकादमी के आफिसर इंचार्ज द्वारा छोटे वण्डों का अधिनिर्णय :— (1) किसी पोत का कमान आफिसर या नौसेना अकादमी का आफिसर इंचार्ज, प्रशिक्षणाधीन किसी भी अधीनस्थ आफिसर पर धारा 94 की उपधारा-(5) के अधीन निम्नलिखित वण्ड अधिरोपित कर सकेगा।

(क) तीन घिनवण्ड

(ख) घिनवण्ड

(ग) 14 दिन से अधिक की अवधि के लिए छुट्टी का रोक जाना

(घ) 10 दिन से अधिक की अवधि के लिए अतिरिक्त कार्य और/या झूल।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन वण्ड अधिरोपित करने के लिए किसी पोत के कमान आफिसर या नौसेना अकादमी के आफिसर इंचार्ज के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह अभियुक्त आफिसर पर कारण बताओ सूचना की तामील करे अथवा अभियुक्त आफिसर को व्यक्तिगत रूप से या उसके मित्र या काउन्सिल द्वारा सुने।

147 ग. कमान आफिसर द्वारा वण्ड का अधिरोपण :— (1) जब कोई कमान आफिसर धारा 94 की उपधारा (3) के अधीन किसी अधीनस्थ आफिसर को प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता के या समय के समपहरण का वण्ड अधिनिर्णय करने की प्रस्थापना करता है तो उस अभियुक्त आफिसर को उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट रीति में कारण दक्षित करने का अवसर दिया जा सकेगा।

(2) जब किसी अधीनस्थ आफिसर के अवधार पर रिपोर्टें पत्र विचार करने के पश्चात् कमान आफिसर की यह राय हो कि उस आफिसर का अवधार दण्डित किए जाने के योग्य है तो वह उस आफिसर को उसके प्रतिकूल सभी रिपोर्टें सहित, सूचित करेगा और उससे प्रतिरक्षा में अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगा।

परन्तु यह कि कमान आफिसर किसी ऐसी रिपोर्ट को यदि उसका प्रकटीकरण लोकहित में नहीं है, तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो तो प्राप्त होने पर कमान अफसर उस पर विचार करेगा और यदि उसे असमाधानप्रद पाया जाता है, तो धारा 94 की उपधारा (3) के अधीन समस्त रूप में प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का दण्ड अधिरोपित कर सकेगा। यदि दिए गए दण्ड में रैंक में ज्येष्ठता के समपहरण अर्न्तविहित है तो इसके लिए नौसेनाध्यक्ष का, या यदि अभियुक्त किसी नौसेना कमान में सेवारत है तो उसके प्लेग, आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का पूर्व अनुमोदन अपेक्षित होगा।

147घ. अवधार रिपोर्ट पर नौसेना कमान के प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा कार्रवाई.—(1) यदि अभिलेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने पर प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ की यह राय हो कि प्रथम दृष्टया मामला है और यह कि यदि आरोप साबित हो गए तो उनके लिए दण्ड देना उसकी शक्तियों के भीतर होगा वह अधिनियम 147घ तथा 147घ में यथा उपबंधित मामले के विचारण के लिए अग्रसर होगा। परन्तु यदि उसकी यह राय हो कि आरोप यदि साबित हो गए तो दण्ड देना उसकी शक्ति से बाहर होगा, तो, वह,

(क) इस निमित्त एक रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे भी मुसगत दस्तावेजों के साथ धारा 94 के अधीन कार्रवाई किए जाने के लिए, नौसेनाध्यक्ष को भेजेगा, या

(ख) अभियुक्त के विचारण के लिए "सेना न्यायालय" गठित करने की कार्रवाई करेगा।

(2) उपयुक्त उप विनियम (1)(क) में यथा अनुध्यात कार्रवाहों करने से पूर्व प्लेग आफिसर कमांडिंग इन-चीफ अभियुक्त से यथा निम्न-लिखित पूछेगा —

"क्या आप धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने के लिए सहमत हैं या आप चयन करेंगे कि आपके मामले पर अन्य अदालत विचार करे।"

(3) यदि अभियुक्त आफिसर सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करता है तो उस प्रयोजन के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

(4) यदि अभियुक्त आफिसर सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन नहीं करता है और धारा 94 के अधीन संक्षिप्त विचारण किए जाने के लिए सहमति प्रदान करता है तो इस मामले को नौसेना अध्यक्ष के पास गिराने के लिए अजेडे से पूर्व सम्बद्ध कार्यवाही में उस आग्रह का संकेत कर दिया जाएगा।

147ङ नौसेना कमान के प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा दण्ड का अधिरोपण (1) जब किसी नौसेना कमान का प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ धारा 94 की उपधारा 2क के अधीन दण्ड का अधिनियम करता चाहता है तो अभियुक्त आफिसर को उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट रीति में कारण बताने का अवसर दिया जा सकेगा।

(2) आफिसर के अवधार पर रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यदि नौसेना कमान के प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ की यह राय हो कि आफिसर का अवधार दण्डित किए जाने योग्य है, तो वह आफिसर को उसकी प्रतिकूल सभी रिपोर्टों के साथ सूचित करेगा और उसके प्रति-रक्षा में अपना लिखित स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा करेगा:

परन्तु प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ किसी ऐसी रिपोर्ट को, यदि उसका प्रकटीकरण लोक हित में नहीं है, तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो तो, प्राप्त होने पर प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ उस पर विचार करेगा और यदि वह असमाधानप्रद पाया जाता है तो वह—

(क) अधीनस्थ अफसर के मामले में, प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का दण्ड, तीव्र घिबण्ड या घिबण्ड अधिरोपित कर सकेगा,

(ख) अधीनस्थ आफिसरों से भिन्न आफिसरों के मामले में, तीव्र घिबण्ड या घिबण्ड अधिरोपित कर सकेगा, या

(ग) अभियुक्त आफिसर को सेना न्यायालय द्वारा विचारण के लिए प्रतिप्रेषित कर सकेगा।

(4) जहां किसी अधीनस्थ आफिसर से भिन्न किसी आफिसर की दशा में नौसेना कमान का प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ यह समझता है कि यदि आरोप साबित हो गए तो वे अभियुक्त आफिसर के लिए प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का दण्ड अधिनिर्णीत किया जाना न्यायोचित ठहरावे तो प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर से यथा निम्नलिखित पूछेगे:

"क्या मेरे द्वारा दिया गया संक्षिप्त-प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने का आपका सम्मति है या आप यह चयन करने हैं कि आपके मामले पर सेना न्यायालय विचार करे।"

(5) यदि अभियुक्त आफिसर यह चयन करता है कि उसका सेना न्यायालय द्वारा विचारण किया जाए, तो उस प्रयोजन के लिए आवश्यक कदम उठाए जायेंगे।

(6) यदि अभियुक्त आफिसर सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन नहीं करता है और धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया के लिए सम्मति दे देता है तो इस आग्रह का संकेत कार्यवाही में किया जाएगा और संक्षिप्त प्रक्रिया आरम्भ की जाएगी।

147च. अधीनस्थ आफिसर से भिन्न किसी आफिसर को प्रोन्नति के लिए ज्येष्ठता या समय के समपहरण के दण्ड का अधिरोपण (1) जब प्लेग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर के विचारण के लिए अग्रसर होता है तो वह अभियुक्त आफिसर के विरुद्ध लगाए गए आरोपों को पढ़कर सुनाएगा और उससे पूछेगा कि वह स्वयं को दोषी होने का अभिवचन करता है या नहीं।

(2) यदि अभियुक्त आफिसर दोषी होने का अभिवचन करता है तो उसका दोषी होने का अभिवक्त अभिलिखित किया जाएगा और यदि अन्य कोई आरोप विचारण के लिए नहीं है तो अभियुक्त को दण्ड में कमी करने से संबंधित कथन करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी। यदि अभियुक्त आफिसर मौखिक कथन करता है तो उसका सारांश या कथन, यदि वह लिखित रूप में हो तो कार्यवाही के साथ संलग्न कर दिया जाएगा।

(3) तत्पश्चात् प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पूरे मामले पर विचार करेगा और ऐसा दण्ड देगा जो वह न्यायसंगत और उपयुक्त समझे।

(4) यदि अभियुक्त आफिसर लगाए गए आरोपों के बारे में स्वयं के दोषी होने का अभिवचन नहीं करता है, तो प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ विचारण के संबंध में आगे कार्रवाई करेगा।

(5) साक्षियों का कथन, रिपोर्ट के साथ प्राप्त होने के पश्चात्, उन्हें कार्यवाही का भाग बना दिए जाने पर, प्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर को सूचित करेगा कि वह कोई कथन करने के लिए बाध्य नहीं है, किन्तु यदि वह चाहे तो लिखित या मौखिक कथन कर सकता है। अभियुक्त आफिसर का कथन मामले के तथ्यों से, उसके चरित्र से तथा दण्ड में कमी करने से संबंधित हो सकता है। यदि अभियुक्त आफिसर मौखिक कथन करता है तो उसका सारांश या कथन यदि वह लिखित हो तो कार्यवाही का भाग रूप होगा।

(6) विचारण के अनुक्रम में, जब भी फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ को वांछनीय प्रतीत हो वह किसी भी ऐसे गवाह को जिसे वह मामले के उचित रूप से निपटाने के लिए आवश्यक समझता है तो बुला सकता है और उसकी परीक्षा कर सकता है। इस प्रकार बुलाए गए साक्षी की अभियुक्त आफिसर और यदि आवश्यक हो तो पेश करने वाला आफिसर द्वारा प्रति परीक्षा की जा सकती है।

(7) ऐसे किसी साक्षी का साक्ष्य पृथक पन्ने पर वृत्तान्त रूप से संक्षेप से अभिलिखित किया जाएगा और उसे कार्यवाही के साथ संलग्न कर दिया जाएगा।

(8) यदि सारे मामले पर विचार करने के पश्चात् फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ किसी एक आरोप पर अभियुक्त को बापों नहीं पाता है तो वह उसे उस आरोप से दोषमुक्त कर देगा। यदि अभियुक्त आफिसर सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया जाता है तो फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ दोषमुक्त होने का अपना निष्कर्ष अभिलिखित करेगा और उस आफिसर को दोषमुक्त कर देगा।

(9) यदि सम्पूर्ण मामले पर विचार करने के पश्चात् फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर को किसी एक या सभी आरोपों पर दोषी पाता है तो वह धारा 94 के अधीन सशक्त उपयुक्त दण्ड का अधिनियम कर सकेगा।

147 छ. अधीनस्थ आफिसरों से भिन्न आफिसर के विचारण के संबंध में प्रक्रिया:- (1) नौसेना कमान के फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा अधीनस्थ आफिसर से भिन्न किसी आफिसर से संबंध में विचारण की कार्यवाहियाँ जहाँ आरोप यदि साबित हो गए तो प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का अधिनियम न्यायोचित ठहराएँगे, यथासंभव ऐसे अन्तर से, जो प्रत्येक मामले की परिस्थितियों में आवश्यक हो, परिशिष्ट V में दिए गए विहित प्ररूप में अभिलिखित किया जाएगा। अभियुक्त आफिसर के अवचार से संबंधित फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ को प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित साक्षी का कथन और उन आरोपों की सूची जिन के लिए आफिसर पर दोषारोपण किया गया है, अन्तर्बिष्ट होगी।

(2) अभियुक्त आफिसर का विचारण ऐसे स्थान, तारीख और समय पर हो सकता है, जो फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ को सुविधाजनक हो।

(3) कमान आफिसर या उसके द्वारा नामनिर्दिष्ट कोई अन्य उप-युक्त आफिसर, फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के सामने अभियोजन का मामला प्रस्तुत करेगा और विचारण के दौरान मामला पेश करने वाले आफिसर के रूप में कार्य करेगा।

(4) फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा नियुक्त कोई आफिसर अपने निदेशाधीन विचारण कार्यवाही का अभिलेख बनवाएगा।

(5) अभियुक्त अपनी प्रतिरक्षा स्वयं करेगा और उसे किसी अन्य आफिसर या काउन्सेल द्वारा प्रतिरक्षा कराने का हक नहीं होगा।

(6) फलैंग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ विचारण के दौरान उत्पन्न समस्त प्रश्नों का विनिश्चय करेगा।

147 ज. नौसेनाध्यक्ष द्वारा दण्ड का अधिरोपण :- (1) रिपोर्ट प्राप्त होने पर जब नौसेनाध्यक्ष आफिसर के अवचार के कारण, धारा 94 की उपधारा (2) के अधीन प्रोन्नति के लिए रैंक में समय के समपहरण का दण्ड देने की प्राप्तापना करता है, तो आफिसर की उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट रीति में उस कार्रवाई के विरुद्ध कारण दर्शित करने का अवसर दिया जाएगा।

(2) जब आफिसर के अवचार की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् नौसेना अध्यक्ष की यह राय हो कि आफिसर दण्डित किए जाने योग्य

है, तो वह आफिसर को उसके विरुद्ध सभी रिपोर्टों के साथ सूचित करेगा और उससे लिखित रूप में अपना स्पष्टीकरण और प्रतिरक्षा अपने इस विकल्प के साथ, यदि उसका प्रयोग उसके द्वारा पहले नहीं किया गया है तो, कि क्या वह धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने के लिए सम्मति देता है या सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करता है, प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगा।

परन्तु यह कि नौसेनाध्यक्ष किसी ऐसी रिपोर्ट को, यदि उसका प्रकटीकरण लोकहित में नहीं है तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, प्राप्त होने पर और यदि आफिसर ने सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने के लिए चयन नहीं किया है तो नौसेनाध्यक्ष उस पर विचार करेगा और यदि वह असमाधानप्रद पाया गया है तो वह—

(क) धारा 94 की उपधारा (2) के अधीन सशक्त रूप में प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का दण्ड अधिरोपित कर सकेगा ; या

(ख) यदि वह समझता है कि उसकी शक्तियों के भीतर दण्ड पर्याप्त नहीं होगा तो वह सभी सुसंगत अभिलेखों सहित मामले की रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को धारा 94 की उपधारा (1) के अधीन कार्यवाई किए जाने के लिए भेज देगा या अभियुक्त आफिसर का सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने के लिए कार्रवाई करेगा।

147. झ. केन्द्रीय सरकार द्वारा दण्ड दिया जाना :- (1) आफिसर के अवचार की रिपोर्ट प्राप्त होने पर, जब केन्द्रीय सरकार अभियुक्त की धारा 94 की उपधारा (1) के अधीन प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का दण्ड देने का प्रस्तावना करती है, तो आफिसर को उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट रीति में कारण दर्शित करने का अवसर, यदि पहले ही कमांडिंग-इन-चीफ या नौसेनाध्यक्ष द्वारा नहीं दिया गया है, तो दिया जा सकेगा।

(2) जब आफिसर के अवचार की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार की राय है कि आफिसर दण्डित किए जाने के योग्य है, तो वह आफिसर को उसके प्रतिकूल सभी अभिलेखों के साथ उस बारे में सूचित करेगी और उससे लिखित रूप में प्रतिरक्षा में उसका स्पष्टीकरण उसके इस विकल्प सहित, यदि उसका प्रयोग उसके द्वारा पहले नहीं किया तो, कि क्या वह धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया दण्ड स्वीकार करने के लिए सम्मति देता है या सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करता है, प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगी। प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगी।

परन्तु यह कि केन्द्रीय सरकार किसी ऐसी रिपोर्ट की यदि उसका प्रकटीकरण लोकहित में नहीं है तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, प्राप्त होने पर, और यदि आफिसर ने सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन नहीं किया है तो, केन्द्रीय सरकार उस पर विचार करेगी और यदि उसका स्पष्टीकरण समाधानप्रद पाया जाता है, धारा 94 की उपधारा (1) के अधीन सशक्त रूप से प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता पर समय के समपहरण का दण्ड अधिरोपित कर सकेगी।

147 ज. प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण के दण्ड का प्रभाव:- (1) ज्येष्ठता के समपहरण और समय के समपहरण के दण्ड, जो धारा 94 के अधीन अधिकारियों को अधिनियमित किए जाएँ, वे सुभिन्न और पृथक् दण्ड होंगे।

(2) जहाँ ज्येष्ठता के समपहरण का अधिनियम किया जाता है, वहाँ नौसेना सूची में आफिसर की ज्येष्ठता की आगे की तारीख डालकर समपहरण के बारे में टिप्पण कर दिया जाएगा और जहाँ समय के समपहरण का अधिनियम किया जाता है, वहाँ उनके परिणामस्वरूप प्रोन्नति में विलम्ब केवल उस सीमा तक होगा, जो समपहरण के आदेश में विनिर्दिष्ट है।

(3) धारा 94 के अधीन ज्येष्ठता के समपहरण का दण्ड बहुत गंभीर अधिकार के लिए ही अधिरोपित किया जाएगा, और उस धारा के अधीन सामान्य दण्ड, समय का समपहरण होगा ;

6. विनियम 220 का लोप किया जाएगा ;

7. परिशिष्ट IV के पश्चात्, निम्नलिखित परिशिष्ट अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् .

“परिशिष्ट—5”

धारा 94 के अधीन कमाण्डर के नीचे की रैंक के आफिसरों के संक्षिप्त प्रक्रिया विचारण में प्रयोग के लिए प्रारूप

(विनियम 147छ देखें)

अभियुक्त की रैंक और नाम

पोत

अभियुक्त से प्रश्न

1. क्या आपको आरोप पत्र और साक्षियों के कथन की प्रति मिल गई है ?

उत्तर

2. क्या आपको अपनी प्रतिरक्षा की तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय मिला है ?

उत्तर

अधीनस्थ आफिसर से भिन्न किसी आफिसर की दशा में यदि मामले पर संक्षिप्त कार्यवाई करने वाला प्राधिकारी प्रोन्नति के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण के दण्ड का अधिनियम करने की प्रस्थापना करना है तो अभियुक्त आफिसर से निम्नलिखित विकल्प के लिए पूछा जाएगा :-

क्या आप धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने के लिए सम्मति देते हैं या आप सेना स्थापना द्वारा विचारण किए जाने का चयन करते हैं ?

उत्तर

यदि अभियुक्त संक्षिप्त-प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने के लिए सम्मति देता है तो आरोप पत्र पढ़कर सुनाया जाएगा।

3. अभी जो आरोप आपको पढ़कर सुनाए गए हैं, आप उनके दांवों हैं या नहीं ?

4. क्या आप कोई कथन करना चाहते हैं ?

[विनियम 147 ब (5) के अनुसार चेतावनी दी जाएगी]

यदि मौखिक कथन किया जाता है तो उसका सारांश, या कथन, यदि वह लिखित हो तो संलग्न किया जाएगा।

अधीनस्थ आफिसर से भिन्न किसी आफिसर के विचारण के अनुक्रम में, कौन-कौनसे आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ किसी भी साक्षी को बुला सकता है और उसकी परीक्षा कर सकता है और उस साक्षी की अभियुक्त आफिसर द्वारा तथा आवश्यक होने पर, पेश करने वाले आफिसर द्वारा, प्रति परीक्षा की जा सकती है। कथन का सारांश वृत्तों रूप में कार्यवाही के साथ संलग्न किया जाएगा।

निष्कर्ष

अधिनियम

[फाइल सं० एन ए ४/55 22]

सी०पी० मिश्र, निदेशक (देवी)

Ministry of Defence

New Delhi, the 22nd April, 1983

S.R.O. 163.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Navy (Discipline and Miscellaneous Provisions Regulations, 1965*, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Navy (Discipline and Miscellaneous Provisions) (Amendment) Regulations, 1983.

(2) They shall come into force at the date of their publication in the Official Gazette.

*EARLIER AMENDMENTS TO THE NAVY (DISCIPLINE, MISCELLANEOUS PROVISIONS) REGULATIONS, 1965

Sl. Regulations Amended No.	Authority for Amendment viz. SRO No.
1. 209 (9)	15E dated 15-5-67 (No. 183/67)
2. 221[Substitution of Sub-Regulation (1)]	3E dated 27-3-66 (No 546/68)
3. 7, 12, 21, 38, 41, 43, 65, 68, 70, 76.	8E dated 8-7-68
4. New Regulation 7A inserted	126 dated 5-1-70
5. 198 Sub-Regulation (i) to be substituted.	65 dated 5-1-70
6. 198 Sub-Regulation (ii) to be inserted.	314 dated 14-8-71
7. 7, 13, 30, 36, 37, 38, 39, 50, 51, 53, 56, 59, 78, 84, 222, 225, 234, Appendix I.	Year 1973.
8. 73, 86 to be substituted. Appendix I in form 4 to be amended.	37 dated 20-12-73
9. Throughout the Regulations for the word 'draft' and the word 'advancement' wherever occurs the word 'transfer' and the word 'promotion' shall be substituted.	360 dated 101 Nov. 75
10. 7, 13, 16, 29, 30, 36, 37, 38, 39, 50, 51, 53, 56, 59, 63, 74, 84, 103, 119, 222, 223, 234, and Appendix I amended.	199/74 dated 10-9-74
11. 189	2 dated 23 Dec. 78.

12. 2,5, 7A, 13, 14, 15, 16, 19, 29, SRP 247 dated 34, 37, 38, 40, 41, 51 to 54 (to 1 Sep 1981. be omitted) 55, 56, 58, 59, 63, 64, Heading of Chapter III, 74, 79, 80, 81, (to be omitted), 82, 83, 84, 93, 94, 114A to be inserted, 115, 121, 136, 138, 139, 146, 155, 158, 177, 185A to be inserted. Addition of Central heading before 187, 193A to be inserted, 209, 215, 216, 219, 222, 226, 230, 231, 232, 239. Appendix II and Appendix IV inserted.

2. In the Navy (Discipline and Miscellaneous Provisions) Regulations, 1965 (hereinafter referred to as the principal Regulations),—

- (1) In sub-regulation (1) of regulation 7A, after the figure '3', the figures, letters and word "3A are 3B" shall be inserted;
- (2) In sub-regulation (1) of regulation 13, after the entry containing words and figures "No. 3—Dis-missal from the naval service", the following entries shall be inserted, namely:—

No. 3A.—Forfeiture of seniority in rank of not more than 12 months in case of Master Chief Petty Officers;

"No. 3B.—Forfeiture of time for promotion of not more than 12 months in case of Master Chief Petty Officers".

3. In sub-regulation 2 of regulation 15, after the word "detention", the words and figures "No. 3A—Forfeiture of seniority in rank and No. 3B—Forfeiture of time for promotion" shall be inserted;

4. After regulation 37, the following regulation shall be inserted, namely:—

**"37A. FORFEITURE OF SENIORITY (NO. 3A)
FORFEITURE OF TIME FOR PROMOTION (NO. 3B)**

(1) A Master Chief Petty Officer may summarily be awarded punishment of forfeiture of seniority in rank or forfeiture of time or promotion or a period not exceeding 12 months.

(2) The punishment awarded under sub-regulation (1) shall require approval of the administrative Authority.

(3) Wherever a Master Chief Petty Officer has summarily been punished with forfeiture of seniority in rank or time for promotion, a notation shall be made in the conduct record sheet, page 4 of the service certificate and at such other places as considered necessary.

(4) The punishment of forfeiture of seniority shall have the effect as laid down in sub-sections (11) and (12) of section 82.

(5) The punishment of forfeiture of time for promotion shall delay the promotion by the time specified."

5. After Chapter IV, the following new Chapter shall be inserted, namely :—

"CHAPTER IV—A

**SUMMARY PUNISHMENT OF OFFICERS BELOW
THE RANK OF COMMANDER**

147A Award of summary punishment under section 94.—The Central Government or the Chief of the Naval Staff or the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command

or the commanding Officer of a ship or the Officer-in-charge of a naval academy may impose summary punishment or an officer below the rank of Commander as provided for in section 94.

148B. Award of minor punishment by Commanding Officer of Ships or Officer-in-charge of Naval Academy.—(1) The Commanding Officer of a ship or Officer-in-charge of the naval academy may impose on any subordinate officer whilst under training, the following punishments under sub-section (5) of section 94:—

- (a) Severe reprimand;
- (b) Reprimand;
- (c) Stoppage of leave for a period not exceeding 14 days,
- (d) Extra work and/or drill for a period not exceeding 10 days.

(2) For imposition of punishment under sub-regulation (1), it shall not be necessary for the Commanding officer of a ship or Officer-in-charge of the naval academy to serve a show cause notice to the accused officer or hear the accused officer in person or by any friend or counsel.

147C. Imposition of punishment by the Commanding Officer.—(1) When a commanding Officer proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in rank or time for promotion to a subordinate officer under sub-section (3) of section 94, the accused officer may be given an opportunity to show cause in the manner specified in sub-regulation (2).

(2) When after considering the report on a subordinate officer's misconduct, a Commanding Officer is of the opinion that the misconduct of the officer deserves to be punished, he shall so inform the officer together with all reports adverse to him and call upon him to submit in writing his explanation in defence :

Provided that the Commanding Officer may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any, the Commanding Officer shall consider it and if the same is found unsatisfactory, may impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion as empowered under sub-section (3) of section 94. Where the punishment awarded involves forfeiture of seniority in the rank, the same shall require approval of the Chief of the Naval Staff, or the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command if the accused is serving in a command.

147D. Action by the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command on misconduct report.—(1) If on a perusal of the record, the Flag Officer Commanding-in-Chief is of the opinion that there is a prima facie case and that the charges if proved would be within his powers to punish, he shall proceed to try the case as provided in regulation 14E and 147F. However, if he is of the opinion that the charge, if proved would be beyond his power to punish, he shall,

(a) make a report in this behalf and submit the same together with all the relevant records to the Chief of the Naval Staff for being dealt with under section 94; or

(b) proceed to convene a court-martial for the trial of the accused.

(2) Before proceeding with the action as contemplated in sub-regulation (1) (a) above, the Flag Officer Commanding-in-Chief shall ask the accused as follows :—

"Do you consent to accept a summary award under section 94 or do you elect to be tried by court martial."

(3) If the accused officer elects to be tried by court-martial, necessary steps will be taken for that purpose.

(4) If the accused officer does not elect to be tried by court-martial and consent to be tried summarily under section 94, a notation to that effect shall be made in the proceedings of the case to be forwarded to the Chief of the Naval Staff for disposal.

147E. Imposition of punishment by Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command.—(1) When the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command proposes to award punishment under sub-section 2A of section 94, the accused officer may be given an opportunity to show cause in the manner specified in sub-regulation (2).

(2) When after considering the report on the misconduct of an officer, the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command is of the opinion that the misconduct of the officer deserves to be punished, he shall so inform the officer together with all reports adverse to him and call upon him to submit in writing his explanation in defence :

Provided that the Flag Officer Commanding-in-Chief may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any the Flag Officer Commanding-in-Chief shall consider it and, if the same is found unsatisfactory, may—

- (a) impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion, severe reprimand or reprimand in case of subordinate officer;
- (b) impose the punishment of severe reprimand or reprimand in case of officer other than subordinate officers; or
- (c) remand the accused officer for trial by court-martial.

(4) Where in case of an officer other than a subordinate officer, the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command considers that the charges if proved would justify the accused officer being awarded punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion, before proceeding further with the said charge, the Flag Officer Commanding-in-Chief shall ask the accused officer as follows:—

“Do you consent to accept summary award by me or do you elect to be tried by court-martial?”.

(5) If the accused officer elects to be tried by court-martial the necessary steps for that purpose shall be taken.

(6) If the accused officer does not elect trial by court-martial and consents to the summary trial under section 94, a notation to this effect shall be made in the proceedings and the officer proceeded with summarily.

147F. Imposition of punishment of forfeiture of seniority or time for promotion on an officer other than a subordinate officer.—(1) When the Flag Officer Commanding-in-Chief proceeds with the trial of the accused officer, he shall read out the charge against the accused officer and ask him whether he pleads guilty or not guilty.

(2) If the accused officer pleads guilty, the plea of guilty shall be so recorded and if there are no further charge to be tried, the accused may be permitted to make a statement in mitigation of punishment. If the accused officer makes an oral statement, its gist or the statement, if in writing, shall be attached to the proceedings.

(3) The Flag Officer Commanding-in-Chief shall then consider the whole case and award such punishment as he considers just and proper.

(4) Where an accused officer pleads not guilty to the charges the Flag Officer Commanding-in-Chief shall proceed further with the trial.

(5) After the statements of witnesses received alongwith the report have been made part of the proceedings the Flag Officer Commanding-in-Chief shall inform the accused officer that he is not obliged to make any statement, but if he wishes to make a statement orally or in writing, he may do so. The statement of the accused officer may deal with the facts of the case, with his character and with matters in mitigation of punishment. If the accused officer makes an oral statement its gist or his statement, if in writing, shall form part of the proceedings.

(6) In the course of a trial wherever it appears desirable to the Flag Officer Commanding-in-Chief, he may call and examine any witness whom he considers essential for proper disposal of the case. The witness so called may be cross-examined by the accused officer and if necessary by the representing officer.

(7) The evidence of such a witness shall be recorded in brief in narrative form on a separate sheet and attached to proceedings.

(8) If on consideration of the whole case, the finding of the Flag Officer Commanding-in-Chief on any charge is one of not guilty, he shall acquit the officer of that charge. If the accused officer is acquitted of all the charges, the Flag Officer Commanding-in-Chief shall record the findings of not guilty and acquit the officer.

(9) If after considering the whole case, the Flag officer Commanding-in-Chief finds the accused officer guilty on any or all of the charges, he may award proper punishment empowered under section 94.

147G. Procedure in respect of trial of officer other than subordinate officers.—(1) The proceedings of the trial of an officer other than a subordinate officer by the Flag officer Commanding-in-Chief of a naval command, where the charges if proved would justify an award of forfeiture of seniority in rank or time for promotion, shall be recorded as far as possible, with such variations as are necessitated by the circumstances of each case in the prescribed form as at Appendix V. The report submitted to the Flag Officer Commanding-in-Chief relating to the misconduct of an accused officer shall, inter alia, contain the statement of witness duly signed and a list of charges of which the accused officer is assigned.

(2) The trial of an accused officer may take place at a venue, date and time convenient to the Flag Officer Commanding-in-Chief.

(3) The Commanding Officer or any other suitable officer nominated by him, shall present the case of the prosecution before the Flag Officer Commanding-in-Chief and act as the presenting officer during the trial.

(4) An officer appointed by the Flag Officer Commanding-in-Chief shall make a record of the proceedings of the trial under his directions.

(5) The accused shall defend himself and shall not be entitled to be defended by any other officer or counsel.

(6) The Flag Officer Commanding-in-Chief shall decide all questions arising in the course of the trial.

147H. Imposition of punishment by the Chief of the Naval Staff.—(1) On receipt of a report, when the Chief of the Naval Staff proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion under sub-section (2) of section 94 on account of misconduct of an officer, the officer may be given an opportunity to show cause, in the manner specified in sub-regulation (2) against that action.

(2) When after considering the report of an officer's misconduct, the Chief of the Naval Staff is of the opinion that the officer deserves to be punished, he shall so inform the officer together with all reports adverse to him and call upon him to submit in writing, his explanation and defence together with his option, if the same has not been exercised by him earlier, whether he consents to accept summary award under section 94 or elects to be tried by court-martial:

Provided that the Chief of the Naval Staff may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any, and if the officer has not elected to be tried by court-martial, the Chief of the Naval Staff shall consider it and if the same is found unsatisfactory:—

(a) May impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion as empowered under sub-section (2) of section 94; or

(b) If he considers that the punishment within his powers shall not be adequate, submit a report of the case together with all the relevant records to the Central Government for being dealt with under sub-section (1) of section 94 or take steps to bring the accused officer to trial by court-martial.

147I. Imposition of punishment by the Central Government.—(1) On receipt of a report of misconduct of an officer, when the Central Government proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion under sub-section (1) of section 94, he may be given an opportunity to show cause, if not already done so by the Flag Officer Commanding-in-Chief or Chief of the Naval Staff, in the manner specified in sub-regulation (2).

(2) Where forfeiture of seniority is awarded, the forfeiture conduct, the Central Government is of the opinion that the officer deserves to be punished, it shall so inform the officer together with all records adverse to him and call upon him to submit in writing, his explanation in defence together with his option, if the same has not been exercised by him earlier, whether he consents to accept summary award under section 94 or elects to be tried by court-martial.

Provided that the Central Government may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any, and if the officer has not elected to be tried by court-martial, the Central Government shall consider it and if the same is found unsatisfactory, may impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion as empowered under sub-section (1) of section 94.

147J. Effect of punishment of forfeiture of seniority in the rank of time for promotion.—(1) The punishment of forfeiture of seniority and forfeiture of time which may be awarded to officers under section 94 shall be two distinct and separate punishments.

(2) Where forfeiture of seniority is awarded, the forfeiture shall be noted in the Navy list by the post-dating of the seniority of the officer and where forfeiture of time is awarded it shall result only in the delay of promotion to the extent specified in the order of forfeiture.

(3) Forfeiture of seniority under section 94 shall be imposed only for very serious misconduct and the normal punishment under that section shall be forfeiture of time.

(6) Regulation 220 shall be omitted;

(7) After appendix IV, the following appendix shall be inserted, namely:—

"APPENDIX V

Form for use at summary trials of officers below the rank of Commander under section 94

(See regulation 147G)

RANK AND NAME OF THE ACCUSED.....
SHIP.....

Question to accused :

1. Have you received a copy of the charge-sheet and statement of witnesses ?

ANSWER

2. Have you had sufficient time to prepare your defence?

Answer .

In case of an officer other than a subordinate officer, if the authority dealing summarily with the case proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion, the accused officer shall be asked the following option:—

Do you consent to accept a summary award under section 94 or do you elect to be tried by court-martial?

ANSWER

If the accused consent to accept a summary award, the charge-sheet is read.

3. Are you guilty or not of the charges that have just been read to you?

ANSWER

4. Do you wish to make a statement? (To be cautioned in accordance with regulation 147F (5))

If an oral statement is made, its gist or the statement, if in writing, is to be attached.

In the course of a trial of an officer other than a subordinate officer, the Flag Officer Commanding-in-Chief may call and examine any witness, who may be cross-examined by the accused officer and if necessary by the presenting officer. The gist of the statement in the narrative form shall be attached to the proceedings.

FINDING.....

AWARD.....

[F. No. NL/5522]

C. P. MISHRA, Director(N)

नई दिल्ली, 11 मई, 1983

सं.का.नि. 164 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और वायु सेवा मुख्यालय (तकनीकी सहायक आई बी एम प्रबालक) भर्ती नियम, 1977 को उन बातों के सिवाय अधिकृत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण के पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, वायु सेवा मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में तकनीकी सहायक (प्रबालक आई बी एम) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा मंत्रालय, वायु सेवा मुख्यालय (तकनीकी सहायक प्रबालक आई बी एम) भर्ती नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इससे उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति,--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अथ पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ यह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें निखरवा करके, इन नियमों के किसी उपबंध का किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा से छूट और अन्य स्थानों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियाँ और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा (पेंशन नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं)	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
-----------	----------------	----------	---------	---------------------	---	--	---

1	2	3	4	5	6	6क	7
सफाई सहायक प्रशिक्षक (आईबी एम)	3 ^क *कार्य-भार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	भाषाण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराज-पत्रित अनुसूचिकीय	330-10-380-द०रो०-12-500-द०रो०-15-560 रु०	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच (सरकारी सेवा के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)	लागू नहीं होता	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय/बोर्ड से अधिमानतः विज्ञान विषयों के साथ मैट्रिक या समतुल्य अर्हता। (ii) आई बी एम इन्स्टीट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज़ पर प्रनिमित 30 शब्द शुद्ध टंकन की शक्ति।
टिप्पण :—आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।							

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शिक्षित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय, प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संश्लेषण सेवा आयु से परामर्श किया जाएगा
---	------------------------------	--	---	--	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके म हों सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्थानान्तरण : सशस्त्र सेवा मंत्रालय और अन्तर सेवा संगठन के ऐसे निम्न श्रेणी लिपिक और पंच कार्य मशीन प्रचालक जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणियों में पांच वर्ष नियमित सेवा की है और जिनके पास सीधे भर्ती	सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों और स्थानान्तरित किए गए व्यक्तियों का (पुष्टि पर विचार करने के लिए) समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति (I) उप मुख्य प्रशासन अधिकारी—अध्यक्ष	लागू नहीं होता

8	9	10	11	12	13
			किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं हैं।	(II) वायु सेना मुख्यालय, रिजोवेफी निदेशालय के बिग कमांडर/एस सी एस ओ या स्वीकृत लीडर/सी एस ओ की प्राप्ति का एक अधिकारी—सदस्य (III) प्रशासनिक रूप से सम्बद्ध अवर सचिव—सदस्य	

[फा० सं० 58508/सी ए ओ/आर-II]

अर्जुन नाथ कोहली,
उप मुख्य प्रशासन अधिकारी

New Delhi, the 11th May, 1983

S.R.O. 164.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Air Headquarters (Technical Assistant Operator IBM) Recruitment Rules, 1977, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant (Operator IBM) in Air Headquarters, Ministry of Defence namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Defence, Air Headquarters Technical Assistant (Operator IBM) Recruitment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of the post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualification etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6a)	(7)
Technical Assistant (Operator IBM)	3*	General Central Service, Group 'C', Non-Subject Non-Ministerial.	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not applicable.	Between 18 to 25 years (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	Not applicable	ESSENTIAL : (i) Matriculation or equivalent qualification preferably with Science subjects from a recognised University/Board.
		*Note : Subject to variation dependent.					

1	2	3	4	5	6	7
	ding on work- load.			Note : The crucial date for determin- ing the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.		(ii) An accurate speed of 30 words per minute in I.B.M. Executive electric type- writer.

Whether age and education qualifi- cations prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruit- ment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the va- cancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by pro- motion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Pro- motion, what is its com- position.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making re- cruitment.
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
Not applicable	Two years	By transfer failing, which by direct recruitment.	Transfer Lower Division Clerks and Punch Card Machine Opera- tors with 5 year's regular service in the respective grades of the Armed For- ces Headquarters and Inter Service Organisation who possess the qualifications prescribed for direct recruits under column 7.	Group 'C' Departmental promotion Committee : (for confirmation of direct recruits and trans- ferees) 1. Deputy Chief Adminis- trative Officer.—Chairman. 2. An officer of the sta- tus of Wg. Cdr/CSO, Dte of Reprography, Air Headquarters.—Member. 3. Under Secretary, ad- ministratively concer- ned.—Member.	Not applicable

[F. No. 58508/CAO/R-II(Vol-II)]

नई दिल्ली, 16 मई, 1983

New Delhi, the 16th May, 1983

का०वि०आ० 1650—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय वायुसेना (सिविलियन रडार इंस्ट्रक्टर) भर्ती नियम, 1971 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय वायुसेना (सिविलियन रडार इंस्ट्रक्टर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1983 है,

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय वायुसेना (सिविलियन रडार इंस्ट्रक्टर) भर्ती नियम, 1971 में, स्तम्भ 6 में, "सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेंगे" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"सरकारी सेवकों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।"

[का०सं० वायु मूक्या० /23049/343/पी०सी० 3(बी)]

एम०सी० जुनेजा, अवसर सचिव

S.R.O. 165.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Air Force (Civilian Radar Instructor) Recruitment Rules, 1971, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Air Force (Civilian Radar Instructor) Recruitment (Amendment) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Air Force (Civilian Radar Instructor) Recruitment Rules, 1971, in column 6, for the words "Relaxable for Government Servants" the following shall be substituted, namely:—

"Relaxable for Government servants by 5 years in accordance with the instructions issued by the Central Government".

[F. No. Air HQ/23049/343/PC3(B)]

M. C. JUNEJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मई, 1983

सांका०सि० 166 --राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और रक्षा मंत्रालय, मशस्त्र बल फिल्म और फोटो प्रभाग (लेखा सहायक) भर्ती नियम, 1980 को अधिष्ठान करते हुए उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिकरण के पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है सशस्त्र बल फिल्म और फोटो प्रभाग, रक्षा मंत्रालय में लेखा सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् --

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ --(1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम रक्षा मंत्रालय, मशस्त्र बल फिल्म और फोटो प्रभाग, लेखा सहायक भर्ती नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान --उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि --उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. विरहताएं. वह व्यक्ति--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी परनी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी परनी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार की मांग, स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवृत्ति से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति --जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रयोग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति --इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जमातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	यदि पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए केन्द्रीय सिविल आयु- सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेणन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेष है या नहीं	सीधे बर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
लेखा सहायक	1* *कार्य- भार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	माधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराज- पत्रित अनुसूचितीय	425-15- 500-ब०री०- 20-640 रु०	लागू नहीं होता	30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार शिथिल करके 35 वर्ष की जा सकती है)। टिप्पण :-आयु- सीमा अपघारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने	लागू नहीं होता	आवश्यक : 1 किसी माध्यमाप्राप्त विश्व-विद्यालय से उपाधि। 2 लेखा कार्य का गहन ज्ञान और ऐसे कार्य का सरकारी कार्यालय या वाणिज्यिक संस्थान में कम से कम दो वर्ष का अनुभव। टिप्पण :-अनुभव संबंधी अर्हताएं सशम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अर्थवर्गियों

6	6a	7
वाले अभ्यर्थियों में (उनसे भिन्न जो अन्दमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष-द्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।		क मामले में उस दशा में प्राप्ति की जा सकती है, जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदाय के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। बाछनीय —किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय से प्राप्ति में उपाधि।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण/द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में कितनी परिस्थितियों में सब लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	------------------------------	---	---	---	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिकीय सेवा के ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक, जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है और जिनके पास लेखा कार्य का दो वर्ष का अनुभव है जिसके न हो सकने पर केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में समान तथा समुदाय पद धारण करने वाले ऐसे व्यक्ति जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसमें उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पूर्व धारित अन्य कांडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सम्मिलित है, साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति (सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि के लिए) 1 उप मुख्य प्रशासनिक अधिकारी—अध्यक्ष 2 प्रशासनिक रूप से सम्बद्ध रक्षा मंत्रालय का अवसर सचिव—सदस्य 3 उप निदेशक, सशस्त्र बल फिल्म और फोटो प्रभाग या समतुल्य—सदस्य	लागू नहीं होता

[फा० सं० ए/14384/सी ए ओ/आर-II]

अर्जुन नाथ कोहली, उप मुख्य प्रशासन अधिकारी

New Delhi, the 18th May, 1983

S.R.O. 166.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Defence, Armed Forces Film and Photo Division (Accounts Assistant) Recruitment Rules, 1980, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Accounts Assistant in the Armed Forces Film and Photo Division, Ministry of Defence, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Defence, Armed Forces Film and Photo Division, Accounts Assistant, Recruitment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of the post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters concerned herewith shall be as specified in column 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and reason to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6a)	(7)
Accounts Assistant	1* *Note Subject to variation depending on work-load.	General Central Service Group 'C', Non-Gazetted, Non-Ministerial	425-15-500-EB-20-640.	N.A.	30 years (relaxable for Government servants up to 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	N.A.	ESSENTIAL : 1. Degree from a recognised University. 2. Thorough knowledge of accounts work and at least two years experience of such work in a Government office or commercial concern. Note : The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writing in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, if at any stage of selection the Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Degree in Commerce from a recognised University.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
Not applicable	Two years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation : UDCs of AFHQ clerical Service with 5 years' regular J. service in the grade and possessing at least 2 years' experience of accounts work, failing which persons holding similar or analogous posts in Central Government offices and possessing the qualifications prescribed for direct recruits in column 7. (period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/departments shall ordinarily not exceed 3 years.)	Group 'C' DPC (for confirmation of direct recruits) 1. Deputy Chief Administrative Officer—Chairman 2. Under Secretary Administratively concerned, Ministry of Defence—Member, 3. Deputy Director, AF FD or equivalent—Member.	N.A.

[F. No. A/14384/CAO/R-II]
A. N. KOHLI,
Deputy Chief Administrative Officer.

